खेलों में सफलता के लिए एकाग्रता जरूरी-ब्र. कु. आशा

गुड़गाँव (ओरआसी)। ओलम्पिक खेलों में पूरी दुनियां में भारत का नाम रोशन करने वाले कांस्य पदक विजेता सुशील कुमार, कोच रामफुलन तथा 13 अन्य चैम्पियन खिलाड़ियों ने राजयोग की विद्या सीखने ब्रह्माकुमारीज संस्था के ओम शांति रीट्रिट सेन्टर, गुड़गाँव पहुंचे। इस टीम में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित योगेश्वर भी शामिल थे। सभी युवा खिलाड़ियों का संस्था के सदस्यों द्वारा फूल और गुलदस्ते से हार्दिक स्वागत किया गया। स्व-सशक्तिकरण कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए ओम शांति रीट्रिट सेन्टर की निदेशिका ब्र. कु. आशा ने कहा कि चाहे जीवन का खेल हो या खेल का मैदान, दोनो खेलों में विजयी बनने के लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है। इसके लिए राजयोग एक सशक्त माध्यम है। इसके द्वारा हम अधिक से अधिक अपने संयमित रखते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान दे सकते हैं।

आगे उन्होंने कहा कि परमात्मा सर्वशक्तिमान है और वह शक्ति की ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। जब भी हम कोई कार्य करें तो परमात्मा को अवश्य याद करें। इससे लगातार हमारे अन्दर सकारात्मक शक्ति का संचार होगा। इसके लिए स्वयं को कुछ समय के लिए शांति के संसार में अपने को व्यवस्थित करें। इसके पश्चात उन्होंने खिलाड़ियों को राजयोग का अभ्यास भी कराया।

इस अवसर पर ओम शांति रीट्रिट सेन्टर की राजयोग शिक्षिका ब्र. कु. ख्याति ने मन के शक्तियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन की शक्ति सबसे बड़ी शक्ति है। जिस व्यक्ति की मानसिक स्थिति मजबूत और शक्तिशाली होती है। वह अपने कार्यों को बड़ी सफलता पूर्वक पूरा कर लेता है। उन्होंने संस्था की होने वाली सभी गतिविधियों से अवगत कराया। इसके पश्चात सभी खिलाड़ियों ने ओम शांति रीट्रिट सेन्टर का अवलोकन किया। अहमदनगर के ब्र. कु. दीपक भाई ने सभी खिलाड़ियों को संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया।